आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 27.06.2025 समय : 0705

<><><><><><><><>

- ओडिशा के पुरी में आज से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की शुरुआत–श्री विजयपुरम में भी जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है।
- भारत निर्वाचन आयोग ने पंजीकृत गैर–मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू की।
- केंद्रीय विज्ञान मंत्री ने कहा ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला प्रधानमंत्री की विश्वबंधु भावना को कर रहे हैं साकार।
- कार निकोबार ने राष्ट्रीय मधुपालन और शहद अभियान के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

<><><><><><><><>

ओडिशा के पुरी में आज से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की शुरुआत हो रही है। यह भव्य यात्रा पुरी के जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर गुंडिचा मंदिर तक जाती है। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ अपनी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर जाते हैं। रथ यात्रा से एक दिन पहले हजारों की संख्या में भक्तों ने मंदिर के सिंह द्वार पर पहुंचकर रत्न बेदी पर भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के नबाजौबन दर्शन किए। यह रथ यात्रा कुल बारह दिनों तक चलेगी और इसका समापन आठ जुलाई को नीलाद्रि विजय के साथ होगा, जब भगवान पुनः अपने मूल मंदिर में लौटेंगे। हालांकि रथ यात्रा का आयोजन बारह दिनों का होता है, इसकी तैयारियाँ महीनों पहले से शुरू हो जाती हैं। इस रथ यात्रा के दौरान कई धार्मिक रस्में, अनुष्ठान और विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने विश्व प्रसिद्ध वार्षिक रथ यात्रा के अवसर पर श्रद्धालुओं का स्वागत और शुभकामनाएं दी हैं।

<><><><><><><><>

द्वीपसमूह की राजधानी श्री विजयपुरम में भी उत्कल समाज की ओर से आज से जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। नेत्रोत्सव और नबजौवन दर्शन सुबह नौ बजे, महापूजा, हवन और महाआरती सुबह साढ़े आठ बजे से आरंभ होगी। यह यात्रा राजस्थान मंदिर से दोपहर दो बजे आरंभ होगी और शहर

के विभिन्न मार्गों से होते हुए शादीपुर स्थित उत्कल समाज वापस आएगी। जगन्नाथ यात्रा की वापसी यानी बहुदा यात्रा उत्कल समाज से पांच जुलाई को दोपहर दो बजे शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए राजस्थान मंदिर में आकर सम्पन्न होगी। छेरा पहरा की विधि सांसद बिष्णु पद रे द्वारा किया जाएगा।

उधर, श्री श्री हरिनाम सेवा संघ की ओर से भी आज दोपहर ढाई बजे जोड़ा कलान के श्री श्री राधागोविन्द मंदिर से रथ यात्रा शुरू होकर भातुबस्ती के राधेश्याम मंदिर में सम्पन्न होगी। इस सिलसिले में चार जुलाई तक राथेर मेला, नाम–संकीर्तन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वापसी यात्रा पांच जुलाई को साढ़े चार बजे से राधेश्याम मंदिर से शुरू होकर जोड़ा कलान के श्री श्री राधागोविन्द मंदिर में सम्पन्न होगी।

<><><><><><><>

भारत निर्वाचन आयोग ने तीन सौ पैंतालीस पंजीकृत गैर–मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। दरअसल ये वो दल हैं, जो पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्तों को पूरा करने में विफल रहे हैं। हैरानी की बात ये हैं कि इन दलों के कार्यालय भी कभी नहीं बन पाए हैं। ये तीन सौ पैंतालीस गैर–मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल देश भर के विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से सम्बन्धित हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ बैठक में यह निर्णय लिया गया।

<><><><><><><>

सरकार ने बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान – आईबीपीएस द्वारा आयोजित परीक्षाओं में उम्मीदवारों के सत्यापन के लिए आधार प्रमाणीकरण के उपयोग को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत वित्तीय सेवा विभाग से जारी अधिसूचना के अनुसार आईबीपीएस अब अपनी परीक्षाओं और भर्ती की प्रक्रियाओं के दौरान उम्मीदवारों की पहचान सत्यापित करने के लिए आधार का उपयोग कर सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने बताया कि इस पहल से परीक्षाओं के दौरान उम्मीदवारों की सही पहचान की जा सकेगी और गलत तरीकों को रोका जा सकेगा। यह सुशासन को बढ़ावा देगा और बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा क्षेत्र में भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता को मजबूत करेगा।

<><><><><><><>

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्र के लिए गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण के अवसर पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की "आत्मनिर्भर भारत" और "विश्वबंधु भारत" की भावना को साकार करते हुए शुभांशु शुक्ला द्वारा किए जाने वाले सभी प्रयोग भारतीय संस्थानों द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं और इन प्रयोगों से मिले परिणामों को बाकी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की भूमिका अब लॉन्च पैड तक सीमित नहीं है। हम अब अंतरिक्ष में जीवन और विज्ञान के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

<><><><><><><>

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का अनुपालन करते हुए आपत्तिजनक विज्ञापन जैसे औषधि एवं जादुई उपचार की शिकायतों से निपटने के लिए एस ओ पी के साथ शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना की है। आम नागरिक आपत्तिजनक और भ्रामक विज्ञापनों की शिकायत उप–निदेशक, आयुष अस्पताल जंगलीघाट में कर सकते हैं। शिकायतकर्ता 03192–232102 पर शिकायत कर सकते हैं।

<><><><><><><>

उत्तर और मध्य अंडमान जिले के पुलिस स्टेशनों ने नशीली दवाओं के दुरूपयोग के खतरे से निपटने और स्वस्थ समाज को बढ़ावा देने के लिए एक अभियान चलाया। इस अभियान के तहत जिले भर के शैक्षणिक संस्थानों में निबंध और चित्रकला के माध्यम से छात्रों द्वारा लोगों को नशा मुक्त समाज के लिए प्रेरित किया गया। युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने के लिए फुटबॉल और टेबल टेनिस खेल का भी आयोजन किया गया। वहीं, कार निकोबार में भी नशीली दवाओं के दुरूपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में आई सी डी एस आदिवासी परियोजना के तहत जिला उपायुक्त अमित काले की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी सुनीता कुमारी ने सभा का स्वागत किया और पूरे महीने हुई विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उपायुक्त अमित काले ने संबोधित करते हुए कहा कि नशीली दवाओं की लत और तस्करी के खतरों को रोकने के लिए समाज को एकजुट होना पड़ेगा।

<><><><><><><>

कार निकोबार ने उच्च मूल्य कृषि विकास एजेंसी के सहयोग से राष्ट्रीय मधुपालन और शहद अभियान के तहत अरोंग गांव में वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

किया। मुख्य अतिथि जनजातीय परिषद अध्यक्ष लियोनाल्ड निकोमेडे और विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष कार निकोबार जॉन लेवी इस अवसर पर उपस्थित रहे। सहायक निदेशक विनोद कुमार ने मधुमक्खी पालन पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान पीढ़ी को अपने पूर्वजों द्वारा अपनाई गई कृषि पद्धतियों का भी ध्यान रखना चाहिए और आय के अतिरिक्त स्रोत के रूप में मधुमक्खी पालन के लिए वैज्ञानिक पद्धतियों को भी अपनाएं।

<><><><><><><>

मत्स्य विभाग द्वारा मछली पकड़ने वाली नौकाओं के निर्माण और खरीद के लिए यूटी प्लान सब्सिडी कार्यक्रम के तहत अंडमान के सभी पंचायत क्षेत्रों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। संघशासित प्रदेश योजना के अंतर्गत सहायता का स्वरूप मोटर चालित मछली पकड़ने वाली नौकाओं के निर्माण पर आधारित है। सरकार की इस पहल से द्वीपसमूह के लिए मछली उत्पादन बढ़ाने में वास्तविक मछुआरों, स्थानीय बेरोजगार, उद्यमियों के लिए यह सुविधा प्रदान की जा रही है। आवेदन पत्र रंगत, कदमतला, बिल्लीग्राउंड और डिगलीपुर से प्राप्त किए जा सकते हैं। पूर्ण किए गए आवेदन इक्कतीस जुलाई तक निकटतम मत्स्य क्षेत्रीय कार्यालय या उप–स्टेशनों पर जमा करा सकते हैं।

<><><><><><><>